

EVS NCERT NOTES

NCERT Notes

पाठ-1 चलो, चलें स्कूल

स्कूल पहुँचने के साधन –

- | | |
|------------------------------|-----------------------|
| → बांस और रस्सी से बना पुल | – असम |
| → ट्राली | – लद्दाख |
| → सीमेन्ट का पुल | – सामान्य क्षेत्र |
| → वल्लम (लकड़ी की छोटी नाव) | – केरल |
| → ऊँट गाड़ी | – राजस्थान |
| → बैलगाड़ी | – मैदानी इलाके |
| → उबड़ – खाबड़ पथरीले रास्ते | – उत्तराखण्ड (पहाड़ी) |

पाठ - 2 कान – कान में

प्र०→ किस के सिर पर आँखे होती हैं और छेद (कान) पंखों से ढके होते हैं
उ०→ पक्षियों के ।

प्र० → जानवरों की त्वचा पर डिजाइन होते हैं?
उ०→ बालों के कारण।

- छिपकली के कान भी इसी प्रकार के होते हैं।
- मगरमच्छ की आँखें भी इसी प्रकार की होती हैं इसलिए हम उन्हें देख नहीं पाते।
- वे जानवर जिनके शरीर पर बाल होते हैं तथा कान बाहर दिखाई देते हैं
 - बच्चे को जन्म देते हैं।
- वे जानवर जिनके शरीर पर कान बाहर नहीं दिखते है।
 - अण्डे देते हैं।

पाठ – 3

नन्दू हाथी

प्र०→ हाथियों के झुण्ड की सरदार कौन होती हैं
उ०→ सबसे बड़ी(बूढ़ी) मादा हाथी ।

प्र०→ नर हाथी झुण्ड कब छोड़ देते हैं
उ०→ 14 – 15 वर्ष की आयु में।

प्र०→ एक व्यस्क हाथी एक दिन में कितना भोजन खाता है?
उ०→ 100 किलोग्राम पत्ते व टहनियाँ ।

प्र०→ एक हाथी एक दिन में कितना सोता है?
उ०→ 2 से 4 घण्टे ।

प्र०→ हाथी मिट्टी में क्यों लेटते हैं ?
उ०→ अपनी त्वचा को ठण्डा करने के लिए।

प्र०→ हाथी कान का प्रयोग करते हैं.
उ०→ हवा करके स्वयं को ठण्डा रखने के लिए।

प्र०→ एक झुण्ड में कितने हाथी रहते हैं?
उ०→ 10 से 12 मादा हाथी और कुछ बच्चे।

पाठ – 4

अमृता की कहानी

प्र०→ अमृता कहाँ रहती थी ?
उ०→ खेजाड़ी गाँव में।

प्र०→ खेजाड़ी गाँव कहाँ है?
उ०→ राजस्थान में, जोधपुर के पास ।

प्र०→ खेजाड़ी में 300 साल पहले घर किस प्रकार से बनाये जाते थे ?

उ०→ लकड़ी से

प्र०→ खेजाड़ी में कौन लोग रहते थे?

उ०→ विश्वोई।

प्र०→ कम पानी में जीवित रहने वाला पेड़।

उ०→ खेजाड़ी पेड़ ।

नोट → खेजाड़ी पेड़ की लकड़ी को कीड़ा खराब नहीं करता। इसकी छाल दवा बनाने के काम आती थी। इस पेड़ की फलियाँ सब्जी के काम आती थी और इसकी पत्तियाँ यहाँ के जानवर खाते थे।

पाठ – 5

अनीता की मधुमक्खियाँ

प्र०→ अनीता कहाँ रहती है,

उ०→ बेचाहा गाँव में

प्र०→ बेचाहा गाँव कहाँ है,

उ०→ बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में।

प्र०→ मधुमक्खी के छत्ते में अण्डे कौन देती है।

उ०→ रानी मक्खी।

प्र०→ नोट छत्ते में नर मधुमक्खी बहुत कम होती है।

उ०→ बाकी मधुमक्खी काम करने वाली होती है ।

प्र०→ लीची के फूल कौन से माह में खिलते हैं

उ०→ फरवरी में ।

प्र०→ मधुमक्खियाँ अण्डे कब देती हैं?

उ०→ अक्टूबर से दिसम्बर माह में

पाठ – 6

ओमना का सफर

प्र०→ ट्रेन कहाँ से चली थी ?

उ०→ कच्छ में गांधीधाम से (गुजरात)।

प्र०→ गुजरात का प्रसिद्ध खाना

उ०→ चटनी के साथ ढोकला, लेमन राइस, मिठाई आदि ।

प्र०→ वल्साद और अहमदाबाद कहाँ हैं?

उ०→ गुजरात में।

प्र०→ कोजीकोड कहाँ है?

उ०→ केरल में।

पाठ-7

खिड़की से

प्र०→ मडगाँव कहाँ स्थित है?

उ०→ गोवा में ।

प्र०→ गोवा से केरल के रास्ते में सुरंगें और पुल हैं?

उ०→ 92 सुरंगें और 2000 पुल ।

प्र०→ कोजिकोड कहाँ स्थित है।

उ०→ मालाबार तट पर दक्षिण भारत के केरल राज्य में ।

प्र०→ कोजिकोड को और क्या कहते हैं।

उ०→ कैलीकट।

प्र०→ गुजरात से केरल तक के रास्ते में ट्रेन किन किन राज्यों से गुजरती है ?

उ०→ महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक।

प्र०→ कोट्टायम नगर कहाँ है?

उ०→ केरल में ।

भाषा

राज्य

मलयालम	– केरल
कोंकणी	– कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा और केरल के कुछ हिस्से में।
मराठी	– महाराष्ट्र, गोवा, दमन & द्वीप, दादर नगर हवेली
गुजराती	– गुजरात
कन्नड़	– कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र

पाठ – 8

नानी के घर तक

प्र०→ ट्रेन टिकट पर क्या – क्या लिखा होता है?

उ०→ ट्रेन का नम्बर

→ सफर शुरू होने की तारीख

→ बर्थ एवं डिब्बे का नंबर

→ किराया

→ दूरी (कि० मी० में)

प्र०→ फैरी क्या होता है।

उ०→ एक प्रकार की नाव जो केरल में प्रयोग होती है।

पाठ – 9

बदलते परिवार

पाठ – 10

हू तू तू, हू तू तू

प्र०→ कबड्डी को और किन – किन नामों से जाना जाता है?

उ०→ चेडुगुडु, हु-तू-तू हा. डू-डू, छू किट किट, कबड्डी ।

कर्णनम मल्लेश्वरी

प्र०→ कर्णनम मल्लेश्वरी कहाँ रहती हैं?

उ०→ आन्ध्र प्रदेश ।

प्र०→ कर्णनम मल्लेश्वरी क्या करती है।

उ०→ भार उठाती हैं (वेट लिफ्टर है)

प्र०→ इनके पापा क्या करते हैं।

उ०→ हवलदार हैं।

प्र०→ मल्लेश्वरी ने वेट उठाना कब शुरू किया था?

उ०→ 12 वर्ष की आयु में।

प्र०→ मल्लेश्वरी कितना वेट उठा सकती हैं?

उ०→ 130 किलोग्राम।

प्र०→ इन्होंने कितने अन्तर्राष्ट्रीय मैडल जीते हैं?

उ०→ 29

नोट → इनकी चार बहनें भी वेट उठाने का अभ्यास करती हैं।

प्र०→ ज्वाला लीला और हीरा कहाँ रहती हैं?

उ०→ मुम्बई में।

प्र०→ ये तीनों क्या खेलती थी ?

उ०→ कबड्डी।

नोट → हीरा कबड्डी की कोच भी बनी

पाठ - II

फुलवारी

प्र०→ फूलों की घाटी कहाँ स्थित है?

उ०→ उत्तराखण्ड (चमोली)।

प्र०→ मधुबनी क्या है।

उ०→ एक चित्रकला (पेंटिंग)।

प्र०→ इसे मधुबनी क्यों कहा जाता है?

उ०→ बिहार में मधुबनी नाम का एक जिला है उसी के नाम पर इसे मधुबनी पेंटिंग कहते हैं।

प्र०→ मधुबनी पेंटिंग किससे बनती है?
उ०→ चावल के पाउडर में रंग मिलाकर ।

प्र०→ इस पेंटिंग में क्या – क्या दर्शाया गया है।
उ०→ मनुष्य, जानवर, पेड़, फूल, पक्षी, मछली और कई अन्य जानवर।
नोट → इनमें नील, हल्दी, फूलों / पेड़ों के रंग आदि का उपयोग किया जाता है।

पाठ – 12

कैसे – कैसे बदले घर

प्र०→ गाजीखान अब कहाँ पर स्थित है?
उ०→ अब यह जगह पाकिस्तान में है।

प्र०→ पहले लोग कच्चे घरों में दीवारों व फर्श पर गोबर व मिट्टी का लेप क्यों करते थे?
उ०→ क्योंकि गोबर मिलाने से मिट्टी में कीड़ा नहीं लगता ।

प्र०→ लकड़ी की छत को दीमक से से बचाने के लिए क्या करते हैं?
उ०→ उसमें 'नीम तथा कीकर की लकड़ियाँ बिजते हैं।

पाठ – 13

पहाड़ों से समुन्दर तक

पाठ – 14

बसवा का खेत

प्र०→ बेलवनिका गाँव कहाँ पर है?
उ०→ कर्नाटक में।

पाठ – 15

मण्डी से घर तक

पाठ – 16

चूँ – चूँ करती आई चिड़िया

प्र०→ गीजूभाई बडेका कहाँ रहते थे?

उ०→ गुजरात में।

नोट, → इन्होंने बच्चों के लिए कई कहानियों लिखी है।

प्र०→ इंडियन रोबिन (किलचड़ी) पक्षी अपने अण्डे कहाँ देता है?

उ०→ सड़क के किनारे पत्थरों के बीच।

प्र०→ कोयल अण्डे कहाँ देती है?

उ०→ कोआ के घोंसले में।

प्र०→ पक्षी घोंसला क्यों बनाते हैं।

उ०→ अण्डे देने के लिए।

नोट → जब अण्डे फूट जाते हैं और बच्चे बड़े हो जाते हैं तो वे धोंसला छोड़ देते हैं

प्र०→ कौन – सा पक्षी कैक्टस के काँटों के बीच या मेहंदी की भेद में घोंसला बनाता है।

उ०→ फाख्ता।

प्र०→ गौरैया और कबूतर घोंसला कहाँ बनाते हैं?

उ०→ पुराने घरों में।

प्र०→ बसंत गौरी अण्डे कहाँ देती है?

उ०→ पेड़ के तने में गहरा छेद बनाकर।

प्र०→ कौन सी चिड़िया (पक्षी) पत्तों को चोंच से सीकर उनके बीच घोंसला बनाती है?

उ०→ दर्जिन चिड़िया।

प्र०→ डाली पर लटकता हुआ घोंसला बनाता है।

उ०→ शक्कर खेरा।

नोट → वीवर नर पक्षी अपने – अपने घोंसले बनाते हैं। मादा वीवर उन सभी घोंसलों को देखती है। उसमें से जो उसे सबसे अच्छा लगता है उसमें ही वह अण्डे देती है।

पाठ – 17

नंदिता मुंबई में

पाठ – 18

पानी कहीं ज्यादा, कहीं कम

प्र०→ नालमड्डा कहाँ पर है?
उ०→ आन्ध्र प्रदेश में।

एक कहानी

प्र०→ होलगुडी कहाँ पर है?
उ०→ कर्नाटक में।

प्र०→ होलगुडी में बच्चों की पंचायत को क्या कहा जाता है?
उ०→ भीमा संघ।

प्र०→ पानी की टंकी को साफ करने का कदम किसने उठाया ?
उ०→ भीमा संघ के बच्चों ने।

पाठ – 19

जड़ों का जाल

प्र०→ बरगद की लटकी हुई शाखाएँ क्या हैं?
उ०→ जड़े।

प्र०→ ओक पेड़ कहाँ पाया जाता है।
उ०→ ऑस्ट्रेलिया में।

नोट→ इस पेड़ की जड़े पेड़ की लम्बाई की तीस गुना गहराई तक जमीन में जाती हैं जब तक की वे पानी तक न पहुँच जाये। यह पानी पेड़ के तने में जमा होता रहता है। यहाँ के लोग तने के अन्दर पतला पाइप डालकर पानी निकाल लेते हैं।

पाठ – 20

मिलकर खाएँ

प्र०→ बीहू त्यौहार कहाँ और कब मनाया जाता है?

उ०→ असम में चावल की फसल आने पर 14-15 जनवरी था 1 – 2 माघ (असम कलेंडर में) को मनाया जाता है।

प्र०→ भेला घर किससे बनता है?

उ०→ बांस से।

पाठ – 21

खाना – खिलना

पाठ – 22

दुनिया मेरे घर में

पाठ – 23

पोचमपल्ली

प्र०→ मुख्तारपुर गाँव कहाँ पर हैं

उ०→ आन्ध्र प्रदेश के पोचमपल्ली करबे में था अब यह तेलंगाना राज्य में हैं।

प्र०→ यहाँ के पारम्परिक व्यवसाय क्या – क्या हैं।

उ०→ कारपेट, खिलौने, इटर आदि बनाते हैं।

पाठ – 24

दूर देश की बात

प्र०→ अबू धाबी कहाँ पर हैं?

उ०→ UAE (United Arab Emirates) में।

प्र०→ UAE की राजधानी क्या है।

उ०→ अबू धाबी।

प्र०→ अबू धाबी की मुद्रा क्या है?

उ०→ दिरहम

प्र०→ चिट्ठापन किसे कहते हैं?

उ०→ चाचा को (मलयालम भाषा में)

प्र०→ कुंजम्मा किसे कहते हैं

उ०→ चाची को ।

प्र०→ केरल में कौन – से फलों के पेड़ हैं।

उ०→ नारियल, केला, जेक, फ्रूट, पपीता, बेटलनट आदि।

प्र०→ केरल के मुख्य मसाले

उ०→ तेजपत्ता, इलाइची कालीमिर्च आदि।

प्र०→ आबू धाबी में सर्वाधिक पेड़ कौन से हैं

उ०→ खजूर

पाठ – 25 चटपटी पहेलियाँ

पाठ - 26 फौजी वहीदा

प्र०→ लेफ्टीनेंट कमांडर वहीदा प्रिज्म कौन हैं?

उ०→ भारतीय नौसेना में डॉक्टर हैं।

प्र०→ पहली महिला जिन्होंने परेड का नेतृत्व किया ?

उ०→ वहीदा प्रिज्म

प्र०→ वहीदा प्रिज्म कहाँ से हैं?

उ०→ धन्नामंडी गाँव से ।

प्र०→ धन्नामंडी गाँव कहाँ पर है?

उ०→ जम्मूकश्मीर के रजौरी जिले में।

प्र०→ परेड के कितने निर्देश (कमांड) होते हैं।

उ०→ 36

पाठ – 27

कोशिश हुई कामयाब

प्र०→ तिब्बतन भाषा लद्दाख में बोली जाती है, उसे क्या कहते हैं।

उ०→ भूती।

प्र०→ भूती (भाषा) में माँ को क्या कहते हैं?

उ०→ आमा – ले

प्र०→ भूती (भाषा) में पिता को क्या कहते हैं?

उ०→ आबा – ले

नोट → लद्दाख को ठण्डा रेगिस्तान भी कहा जाता है।

NCERT Notes

कक्षा – 5 पाठ – 1

कैसे पहचाना चींटी ने दोस्त को ?

प्र०→ चींटियाँ एक लाइन में क्यों चलती हैं?

उ०→ जब चींटी आगे चलती है तो वह एक प्रकार की गंध छोड़ती है जिससे बाकी चींटियाँ रास्ते का पता लगा लेती हैं।

प्र०→ कौन – सा कीड़ा कई कि. मी. से अपनी मादा को पहचान लेता है? कैसे ?

उ०→ रेशम का कीड़ा / गंध से।

प्र०→ मच्छर मनुष्य को कैसे पहचानते हैं

उ०→ गंध से / तलवे की गंध से और शरीर की गर्मी से।

प्र०→ कुत्ते अपने क्षेत्र में किसी अन्य कुत्ते के होने की पहचान कैसे करते हैं

उ०→ मल – मूत्र से

प्र०→ चिड़िया देखते समय अपना सिर क्यों हिलाती रहती है

उ०→ चिड़ियों की आंखों की पुतली स्थिर रहती है इसलिए वस्तुओं को देखने के लिए उन्हें पूरी गर्दन गुमानी पड़ती है

नोट → चिड़िया एक ही समय पर अलग – अलग आंखों से अलग – अलग वस्तुओं को देख सकती है

प्र०→ मनुष्य से चार गुना तेज देखने वाले पक्षी

उ०→ बाज, चील, चमगादड़

नोट → ज्यादातर जानवर रंग नहीं पहचान पाते हैं दिन में जगने वाले जानवर कुछ रंग देख पाते हैं रात में जगने वाले

जानवर या पक्षी वस्तुओं को केवल काला सफेद (black & white)में देख पाते हैं जैसे :- उल्लू ।

→ सांप सुन नहीं पाते हैं केवल जमीन पर कंपन (vibrations) को महसूस करते हैं

→ कुछ पक्षी और जानवर अलग-अलग परिस्थितियों में विभिन्न आवाजे निकालते हैं (खुशी भय के समय) जैसे :- लंगूर बाघ सीता चीता आदि

प्र०→ अंडमान निकोबार में सुनामी कब आई थी ।

उ०→ दिसंबर 2000 में ।

नोट - जानवरों के विपरीत व्यवहार के कारण वहाँ के लोग सुरक्षित हो गये थे।

जानवर	सोने की समयावधि
छिपकली	एक सीजन
गाय	4 घंटे
सांप (python snake)	10 घंटे
जिराफ	2 घंटे
बिल्ली	12 घंटे

स्लोथ (sloth)

यह भालू जैसा दिखता है लेकिन भालू नहीं है। यह दिन के लगभग 17 घण्टे सोता है। पेड़ पर उल्टा लटका रहता है। यह उसी पेड़ की पत्तियाँ खाता है। यह एक ही पेड़ पर लगभग 5 वर्ष तक रहता है जब तक उस पेड़ की सभी पत्तियाँ खत्म न हो जाए ये 40 साल जीता है इस प्रकार यह पूरे जीवन काल में 8 पेड़ों पर रहता है यह एक सप्ताह में एक बार ही आराम के लिए पेड़ से उतरता है

टाइगर (बाघ)

- बाघ रात में हमसे 6 गुना बेहतर देख सकता है।
- बाघ की मूँछें बहुत संवेदनशील होती हैं जिससे यह हवा में गति और कंपन का पता लगा लेता है।
- इसकी मूँछें उसे अंधेरे में उसके शिकार को ढूँढने में मदद करती हैं।
- बाघ पक्षियों की आवाज और किसी जानवर के हरकत करने में अन्तर को महसूस कर सकता है
- बाघ के कान चारों दिशाओं में धूम सकते हैं जो उसे चारों ओर की आवाज सुनने में मदद करते हैं।
- बाघ अलग – अलग परिस्थितियों में अलग – अलग आवाजें निकालता है।
- इसकी दहाड़ की आवाज लगभग 3 किमी तक सुनाई देती हैं।

जानवर खतरे में –

- चीता बहुत सतर्क जानवर है लेकिन फिर भी खतरे में है।
- जानवरों को मारे जाने का कारण –

हाथी	– दाँतों के लिए
गेंडा	– सिंह के लिए
चीता / मगरमच्छ / साँप	– स्किन (त्वचा) के लिए
मृग (कस्तूरी)	– खुशबू के लिए

कुछ जगहों पर शिकार करना मना है जैसे उत्तराखंड का जिय कार्बेट नेशनल पार्क राजस्थान (भरतपुर) में काला घाना देव अभ्यारण्य आदि

पाठ – 2 कहानी सपेरों की

प्र०→ नाग गुमफन क्या है?

उ०→ एक प्रकार के डिजाइन, ऐसे डिजाइन रंगोली, कढ़ाई और दीवारों को सजाने के लिए सौराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण में प्रयोग किये जाते हैं।

प्र०→ भारत में पाये जाने वाले जहरीले साँप

उ०→ भारत में चार प्रकार के जहरीले साँप पाये जाते हैं-

1. नाग
2. करेल
3. दुबोइया
4. अफाई ।

प्र०→ साँप के कितने जहरीले दाँत होते हैं?

उ०→ दो।

नोट → साँप के दो खोखले जहर वाले दाँतों से जहर व्यक्ति के शरीर में चला जाता है।

साँप के जहर से बचाने वाली दवाई (सीरम) भी साँप के जहर से ही बनाई जाती है।

पाठ – 3

चखने से पचने तक

प्र०→ हमारे पेट का तापमान कितना होता है?

उ०→ 30°C

प्र०→ हमारे पेट में पाया जाने वाला पाचक रस होता है।

उ०→ अम्लीय (एसिड)।

प्र०→ सबसे अधिक चावल की खेती भारत में कहाँ होती है।

उ०→ उड़ीसा के कालाहंडी जिले में।

नोट → उड़ीसा के कालाहंडी जिले से अन्य जिलों में भी चावल निर्यात होते हैं। इतने चावल उत्पादन के बाद भी यहाँ के लोग गरीब हैं।

प्र०→ आत्रियपुरम गाँव कहाँ है?

उ०→ आन्ध्र प्रदेश।

खाने की चीज़

पचने में लगा समय

कच्चा दूध

पेट में
2 घण्टे 15 मि.

गिलास के पाचक रस में
4 घण्टे 45 मि.

उबला दूध

2 घण्टे

''

पूरी तरह उबला अंडा

3 घण्टे 30 मि.

0 घण्टे

कम उबला अंडा

3 घण्टे

6 घण्टे 30 मि.

कच्चा अंडा फेंटा हुआ।

2 घण्टे

4 ,, 15 ,,

कच्चा अंडा

1 घण्टा 30 मिन

4 घण्टे

पाठ – 4

खाएँ आम बारहों महीने।

प्र०→ कांच के उब्बे या बोटल को अचार भरने से पहले धूप में क्यों सुखाते हैं?

उ०→ नमी दूर करने के लिए ताकि अचार खराब न हो

चीजें सुरक्षित रखने के घरेलू उपाय (1-2 दिन)

दूध उबालकर।

पके चावल कटोरे में रखकर, कटोरे को पानी में रखकर।

हरा धनिया गीले कपड़े में लपेटकर।

प्याज, अदरक सूखे, खुले स्थान पर रखकर।

पाठ – 5

बीज, बीज, बीज

शिकारी पौधे

नीपथिस एक ऐसा पौधा है जो कीड़ों का शिकार करता है। यह ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और मेघालय राज्य में (भारत) पाया जाता है। इसमें एक सुगंध होती है जो कीड़ों को आकर्षित करती है।

प्र०→ वेल्को की खोज किसने की ?

उ०→ जार्ज मेस्ट्रल, 1940

प्र०→ वेल्को किससे बना ?

उ०→ बीजों के छोटे-छोटे हुक से।

प्र०→ साउथ अमेरिका से आये बीज कौन - कौन से हैं

उ०→ हरी मिर्च, टमाटर, आलू, मूंगफली, अमरूद

प्र०→ यूरोप से आये बीज -

उ०→ बंद गोभी, मटर,

प्र०→ अफ्रीका से आये बीज-

उ०→ भिण्डी, कॉफी बीन्स।

प्र०→ सोयाबीन कहाँ से आयी

उ०→ चीन से।

पाठ – 6

बूँद – बूँद, दरिया – दरिया

धड़सीसर

यह नौ तालाबों का एक समूह था जिसे जैसलमेर के राजा धड़सी ने बनवाया था। जब एक तालाब भर जाता तो पानी बहकर दूसरे तालाब में चला जाता उसके बाद तीसरे में। इस तरह नौ तालाब भर जाते। ये नौ तालाब आपस में जुड़े थे।

प्र०→ बारिश से झीलें भरने की खुसी कहाँ मनाते है ।

उ०→ उत्तराखण्ड में ।

प्र०→ कुएं सूख जाने के क्या कारण है

उ०→ मोटर से पानी निकलना झीलों का समाप्त होना जमीन को सीमेंट से पक्का करना आदि

जोधपुर की कहानी – 1986 में सूखा पड़ा तो लोगों ने पुरानी बावड़ियों को फिर से साफ करके 200 ट्रक कूड़ा निकाला। बावड़ी ने पूरे शहर को पानी पिलाया। पर अब फिर से बावड़ी को भुला दिया गया है।

प्र०→ अल – बिरूनी कौन थे?

उ०→ उज्बेकिस्तान से आये एक मुसाफिर।

नोट → इन्होंने भारत के तालाबों तथा आर्किटेक्चर के बारे में लिखा था तथा भारत की प्रशंसा की थी। इनकी किताब एक टिकट 1973 में छपी थी।

पाठ – 7

पानी का प्रयोग

प्र०→ समुद्र और सागर का पानी कैसा होता है

उ०→ नमकीन (खारा)

प्र०→ मृत सागर का पानी कितना खारा हैं।

उ०→ लगभग 300 ग्राम नमक /ली०

प्र०→ डांडी यात्रा कब हुई थी ।

उ०→ 1930 में

प्र०→ डांडी यात्रा का संबंध है-

उ०→ नमक से ।

प्र०→ डांडी यात्रा कहाँ से कहाँ तक हुई थी?

उ०→ अहमदाबाद से डांडी तक ।

प्र०→ डांडी कहाँ पर है?

उ०→ गुजरात में।

पाठ – 8 मच्छरों की दावत

प्र०→ मलेरिया की दवाई किससे बनती है?

उ०→ सिनकोना पेड़ की छाल से ।

प्र०→ आयरन किससे मिलता है।

उ०→ गुड़, आँवला, हरी पत्तेदार सब्जियाँ आदि

प्र०→ मलेरिया का कारण

उ०→ प्लेस्मोडियम

प्र०→ मलेरिया का मच्छर-

उ०→ एनाफिलीज मादा मच्छर (भूरे रंग)

प्र०→ दिल्ली के स्कूलों में एनीमिया से बच्चे कब प्रभावित हुए थे?

उ०→ 17 नवम्बर 2007 को ।

प्र०→ मच्छर के पेट में किसने झाका ?

उ०→ रोनाल्ड रॉस ने।

नोट → मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया से सावधानी -

→ आस - पास पानी इकट्ठा न होने दें।

→ पानी के बर्तन को साफ रखें। हर हफ्ते सुखायें ।

→ मच्छरदानी का इस्तेमाल करें

→ गड्डों में भरे पानी में मिट्टी का तेल छिड़कें।

पाठ – 9

डायरी: कमर सीधी; ऊपर चढ़ो !

लीडर के गुण-

- दूसरों के सामान उठाने में मदद करना।
- पूरे ग्रुप के आगे बढ़ जाने पर ही आगे बढ़ना।
- जो चल न पाये उसे हाथ पकड़कर चढ़ाना।
- रुकने के लिए जगह ढूँढना।
- बीमार पड़ने पर उसका ध्यान रखना।
- सबके खाने – पीने का इंतजाम देखना।

प्र०→ माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पहली महिला (भारतीय) कौन है?

उ०→ बछेन्द्री पाल ।

प्र०→ माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली विश्व की पाँचवी महिला।

उ०→ बछेन्द्री पाल

प्र०→ 12 वर्ष की आयु में बछेन्द्री पाल ने कितनी ऊँचाई चढ़ी?

उ०→ 4000 मी.

प्र०→ बछेन्द्री पाल कहाँ से हैं?

उ०→ गाँव के नकूरी गाँव से।

प्र०→ बछेन्द्री पाल को एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए कब चुना गया?

उ०→ 1904 में ।

प्र०→ बछेन्द्री पाल ने एवरेस्ट कब फतह की?

उ०→ 23 मई 1904, 1 बजकर 1 मिनट (दिन) पर।

प्र०→ एवरेस्ट की ऊँचाई।

उ०→ 8900 मी।

प्र०→ नेपाल में एवरेस्ट का नाम।

उ०→ सागरमाथा ।

प्र०→ बछेन्द्री पाल कितनी देर एवरेस्ट पर रही?

उ०→ 43 मिनट ।

नोट → यह कहानी संगीता अरोश की डायरी से ली गयी है

प्र०→ संगीता अरोश कौन है?

उ०→ केन्द्रीय विद्यालय दिल्ली में अध्यापक।

पाठ – 10

बोलती इमारते

पाठ – 11

सुनीता अंतरिक्ष में

प्र०→ अंतरिक्ष में सभी चीजें वायु में तैरने क्यों लगती हैं?

उ०→ गुरुत्वाकर्षण शून्य होने के कारण।

प्र०→ चाँद पर उतरने वाले पहले व्यक्ति कौन थे?

उ०→ नील आर्मस्ट्रॉन्ग

→ इन्होंने 1969 में चाँद पर कदम रखा।

प्र०→ सुनीता विलियम्स कौन थी ?

उ०→ हेलिकॉप्टर पायलेट।

प्र०→ सुनीता क्या बनना चाहती थी?

उ०→ गोताखोर।

पाठ-12

खत्म हो जाए तो?

कीमत	कीमत	कीमत	
	10/2002	10/2007	10/2014
पेट्रोल	₹29.91	₹43.52	₹67.86
डीजल	₹18.91	₹30.48	₹58.97

पाठ – 13

बसेरा उचाई पर

प्र०→ सर्वाधिक भीड़ पर वाला शहर-

उ०→ मुम्बई

प्र०→ दिल्ली, मुम्बई से कितनी दूर है

उ०→ 1400 किमी.

प्र०→ मुम्बई से दिल्ली आने के लिए कौन – कौन से राज्यों से गुजरना पड़ता है?

उ०→ महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान

प्र०→ ठण्डा रेगिस्तान कहलाता है

उ०→ लद्दाख

प्र०→ लद्दाख में घर कैसे बनाये जाते हैं?

उ०→ लकड़ी के । और पत्थर के।

प्र०→ लद्दाख की विशेषता / पहचान -

उ०→ उठक बर्फ से ढके पहाड़, ठंडा रेत, पेड़ों की कमी, समतल सूखे रेगिस्तान)

नोट → लद्दाख में बारिश बहुत कम होती है।

प्र०→ लद्दाख में लकड़ी के घर क्यों बनाते हैं?

उ०→ 603 से बचने के लिए।

प्र०→ लद्दाख में घरों का ग्राउन्ड फ्लोर का क्या उपयोग है?

उ०→ पशुओं के लिए।

प्र०→ लद्दाख में घरों की छत का प्रयोग किस काम में किया जाता है ?

उ०→ लाल मिर्ची , सीताफल, मक्का, धान, उपले, आदि सुखाने के लिए

प्र०→ चांगयांग कितनी ऊँचाई पर है?

उ०→ 5000 मी.

नोट → यह मैदानी, सुनसान और पथरीला इलाका है यहाँ ऑक्सीजन की कमी होती है। यहाँ न कोई पेट्रोल पंप है, न कोई मैकेनिक ।

प्र०→ चांगपा प्रजाति में कितने लोग होते हैं?

उ०→ 5000

प्र०→ चांगपा कौन - से पशु पालते हैं?

उ०→ भेड़ - बकरियों /

प्र०→ भेड़ बकरी से क्या मिलता है?

उ०→ दूध, मांस, खाल, ऊन।

नोट → भेड़ - बकरियाँ ही चांगपा लोगों की पूंजी होती है। जिस परिवार में जितनी अधिक भेड़ बकरियाँ वह परिवार रखना ही अमीर माना जाता है

→ चांगपा लोग घुमंतू होते हैं। ये केवल $2\frac{1}{2}$ घण्टे में अपना सामान घोड़ों और याक पर लादकर एक जगह से दूसरी जगह निकल जाते हैं। इसके तिकोने टेंट रेबों कहलाते हैं।

→ हर परिवार अपनी भेड़ - बकरियों पर एक खास निशान लगाते हैं। रोज सुबह उन्हें गिनकर चराने ले जाते हैं। ये काम औरतों और जवान लड़कियों का रोज का काम है।

प्र०→ पत्थरों व चट्टानों से बने बकरियों के घर को चंगपा क्या कहते हैं?

उ०→ लेखा

प्र०→ पशमीना शॉल किससे बनता है?

उ०→ भेड़ बकरी के बालों से।

→ पशमीना शॉल छ, स्वेटरों के बराबर गर्मी देता है, परन्तु मोटा नहीं होता।

→ चांगथांग का तापमान सर्दियों में - 40°C तक चला जाता है।

→ पशमीना शॉल को बनाने में एक व्यक्ति को लगभग 250 घण्टे लगते हैं।

श्रीनगर के घर →

हाउसबोट → यह 80 फुट तक लम्बे होते हैं और बीच से इनकी चौड़ाई आठ - नौ फुट तक होती है।

डोंगा → बोट की तरह बने लकड़ी के डोंगे पानी पर तैरते रहते हैं। डल तथा झेलम नदी में होते हैं। इनमें अलग - अलग कमरे होते हैं

नोट → कश्मीर की हर गली में एक बेकरी होती है। यहाँ के लोग खाना घर नहीं बनाते बल्कि बेकरी से खरीदते हैं।

पाठ-14

जब धरती काँपी

प्र०→ कच्छ, भुज और अहमदाबाद में भूकम्प कब आया था?

उ०→ 26 जनवरी 2001।

प्र०→ कच्छ कहाँ पर है?

उ०→ गुजरात।

पाठ – 15

उसी से ठण्डा, उसी से गर्म

प्र०→ यह कहानी किसने लिखी ?

उ०→ डॉ० जाकिर हुसैन (पूर्व राष्ट्रपति)

प्र०→ दिल की धड़कन सुनने के लिए डॉक्टर किस यन्त्र का प्रयोग करते हैं?

उ०→ स्टेथोस्कोप।

पाठ – 16

कौन करेगा यह काम?

प्र०→ नारायण जी कौन कौन थे ?

उ०→ गाँधी जी के दोस्त महादेव के बेटे जो 11 वर्ष की उम्र से गाँधी जी के साथ रहते थे।

→ गाँधी जी और नारायण जी ने तथा उनके साथियों छुआ – छूत को मिटाने के भरपूर प्रयास किये।

प्र०→ भीमराव अम्बेडकर कहाँ से थे?

उ०→ महाराष्ट्र में गोरगाँव से।

नोट → यह कहानी स्टैलन के की पूण्डियन अनटच्ड' डॉक्यूमेन्टरी फिल्म से ली गयी है

पाठ – 17

फाँद ली दीवार

प्र०→ नागपांडा और अफसाना मसूरी बास्केटबॉल टीम कहाँ है?

उ०→ मुम्बई में।

प्र०→ विक्टोरिया टर्मिनस रेलवे स्टेशन कहाँ है?

उ०→ मुम्बई।

प्र०→ शोलापुर कहाँ पर है?

उ०→ मुम्बई में।

नोट → यह पाठ समाज में लिंग भेद को दूर करने के लिए है।

प्र०→ बचूखान प्ले ग्राउन्ड कहाँ पर हैं।

उ०→ मुंबई में।

नोट → यह ग्राउण्ड कोच मुस्तुफा खान के नाम पर बनाया गया था।

पाठ – 19

किसानों की कहानी बीज की जुबानी

प्र०→ वानगाम कहाँ पर है?

उ०→ गुजरात में।

प्र०→ पुराने समय में बीजों को कैसे भण्डारण करते थे ?

उ०→ अच्छे बीजों को लोकी के सूखे कवर में रखकर उसको मिट्टी से ढक देते थे और नीम की पत्तियों का प्रयोग कीड़ों से बचाने के लिए करते थे।

प्र०→ उँधीयूँ क्या है?

उ०→ गुजरात की एक डिश (पकवान) या सब्जी जिसे घड़े को उल्टा लटकाकर अंगार पर पकाते हैं यह लोग इसे बाजरे की रोटी, मक्खन, दही के साथ खाते थे।

नोट→'क्रोटोन पौधे की जड़े जमीन में बहुत अंदर नहीं जाती। जब यह मुरझाने लगते हैं तो किसान समझ जाते हैं की खेती को पानी की आवश्यकता है

पाठ – 20

किसके जंगल

प्र०→ कुडुक क्या है?

उ०→ झारखण्ड में आदिवासी लोगों का एक समुदाय।

प्र०→ कुडुक भाषा में जंगल को क्या कहते हैं।

उ०→ तोरांग।

प्र०→ Right to forest Act, 2007

उ०→ इसके अनुसार जो लोग जंगल में 25 सालों रह रहे हैं उन्हें उन जंगल तथा वहाँ पर उगने वाली चीजों पर अधिकार है। उनको जबरदस्ती नहीं से हटाया नहीं जा सकता। जंगल की सुरक्षा का कार्य वहाँ की ग्राम सभा द्वारा किया जायेगा।

प्र०→ एक टिन जमीन का क्या अर्थ है?

उ०→ एक टिन बीज को जितनी जमीन में बोया जा सकता है उतनी जमीन एक टिन जामीन कहलाती है।

प्र०→ सूर्यमणि कौन है?

उ०→ एक गर्ल स्टार ।

प्र०→ झूम खेती क्या है।

उ०→ एक फसल को काटने के बाद जमीन को कई वर्षों तक खाली छोड़ देते हैं। और उसमें जो झाड़ / घास उग जाती है उसे उखाड़ते नहीं बल्कि काटकर जला देते हैं। उसकी राख जमीन को उपजाऊ बनाती है। खेती बोन के लिए जमीन को जोतते नहीं बल्कि हल्का - हल्का खोद देते हैं।

प्र०→ झूम खेती कहाँ होती है?

उ०→ मिजोरम ।

प्र०→ मिजोरम की प्रमुख फसल कौन - सी है?

उ०→ चावल ।

पाठ - 21

किसकी झलक ? किसकी छाप ?

प्र०→ ग्रेगर मेण्डल कहाँ से हैं?

उ०→ इनका जन्म 1822 में अस्ट्रेलिया के एक गरीब परिवार में हुआ था।

नोट → इन्होंने सात सालों तक 28000 पौधों पर प्रयोग किये ।

→ इन्होंने मटर के पौधों पर प्रयोग किये।

→ इन्होंने आनुवंशिकता खोज की।

→ इसके सिद्धान्त को इनकी मृत्यु के कई वर्ष बाद मान्यता मिली ।

पाठ – 22

फिर चला काफिला

प्र०→ दशहरा कब आता है?

उ०→ वर्षा ऋतु के बाद।

नोट → गन्ने की फसल को अधिक पानी की आवश्यकता होती है।

प्र०→ पुरनपोली क्या है?

उ०→ मीठी रोटी जो गुड़ और जेम से बनाई जाती है। यह मसालेदार कढ़ी के साथ खायी जाती है।

जानवर (Animal)

- जानवरों की खाल पर जो डिजाइन होते हैं वह उनके बालों के रंग के कारण होते हैं
- दिन में जागने वाले जानवर आमतौर पर कुछ रंग ही देख पाते हैं
- रात में जागने वाले जानवर हर चीज को सफेद और काली ही देखते हैं
- बहुत से जानवर किसी खास मौसम में लंबी गहरी नींद में चले जाते हैं जैसे छिपकली
- कुछ जानवर तूफान या भूकंप आने के कुछ समय पहले अजीब हरकतें करने लगते हैं जंगलों में रहने वाले लोग समझ जाते हैं कि कुछ बुरा होने वाली है
- जानवरों में भी देखने सुनने और महसूस करने की शक्ति होती है वैज्ञानिकों का मानना है कि कई जानवरों की अपनी पूरी भाषा है
- जिन जानवरों के बाहरी कान व शरीर पर बाल होते हैं वे बच्चे देते हैं
- जिन जानवरों के बाहरी कान व शरीर पर बाल नहीं होते वे अंडे देते हैं
- स्तनधारियों की विशेषताओं में इनके शरीर पर बाल का पाया जाना और कान के मध्य भाग में तीन अस्थियो मेलियन, इनकस व स्टेपस का पाया जाना प्रमुख है

➤ यदि कुछ प्रजातियों को छोड़ दे तो लगभग सभी स्तनधारी वर्ग के जंतु बच्चे देते हैं तथा जिन जानवरों में यह नहीं पाए जाते हैं वे अंडे देते हैं।

➤ जानवरों के कान के आकार और उनके सुनने की शक्ति में बहुत गहरा सम्बन्ध होता है, जिन जानवरों के कान बड़े होते हैं उनके सुनने की क्षमता अधिक होती है।

➤ हाथों को कान के पीछे रखकर आवाज ज्यादा साफ सुनाई देती है।

जानवरो का शिकार

हाथी को उसके दाँतों, गैंडे को सींग, शेर, मगरमच्छ और साँप को उनकी खाल के लिए मार दिया जाता है। कस्तूरी हिरन को थोड़ी-सी खुशबू के लिए मारा जाता है। जानवरों को मारने वाले लोगों को शिकारी कहते हैं।

स्लॉथ

➤ स्लॉथ दिखने में भालू की तरह होते हैं पर ये भालू से अलग होते हैं।

➤ ये दिन में करीब 17 घंटे पेड़ों से उल्टे लटक कर आराम से सोते रहते हैं।

➤ 40 वर्ष के अपने जीवन में ये सिर्फ 8 पेड़ों- पर ही घूमते हैं ये सप्ताह में एक बार ही शौच के लिए पेड़ से नीचे उतरते हैं जिस पेड़ में रहते हैं उसी के पत्ते खाकर अपना पेट भरते हैं

बाघ

➤ बाघ अंधेरे में हम से 6 गुना बेहतर देख सकता है

➤ बाघ कि मूँछे हवा में हुए कंपन को भांप लेती है जिससे उसे शिकार की सही स्थिति का पता चल जाता है और इससे वो अंधेरे में रास्ता ढूँढ लेता है

➤ बाघ अपने इलाके में मूत्र करके अपनी गंध छोड़ता है दूसरा बाघ इस गंध को तुरंत पहचान लेता है

➤ बाघ मौके के अनुसार अपनी आवाज बदलता रहता है

- बाघ का गुर्राना 3 किलोमीटर दूर तक सुना जा सकता है
- बाघ के दोनों कान बाहर की आवाज इकट्ठा करने के लिए अलग-अलग दिशाओं में बहुत ज्यादा घूम भी जाते हैं
- बाघ हवा से पत्तों के हिलने और शिकार की झाड़ियों में हिलने से हुई आवाज के अंतर को तुरंत भांप लेता है

हाथी

- हाथी को पानी और कीचड़ में खेलना बहुत पसंद है इससे उसके शरीर को ठंडक मिलती है
- हाथी के कान पंखे जैसे होते हैं गर्मी लगने पर हाथी अपने कान हिला कर हवा करता है
- 3 महीने का हाथी 200 किलोग्राम वजन का होता है।
- एक बड़ा हाथी दिन में 100 किलोग्राम से ज्यादा पत्ते और झाड़ियां खा लेता है
- हाथी बहुत कम आराम करता है 1 दिन में केवल 2 से 4 घंटे सोता है
- हाथी परेशानी आने पर एक दूसरे की मदद करते हैं
- इस झुंड में 10 या 12 हथिनी और बाकी बच्चे होते हैं झुंड की सबसे बुजुर्ग हथिनी ही पूरे झुंड की नेता होती है
- 14-15 साल तक हाथी इस झुंड में रहता है फिर वह झुंड छोड़कर चला जाता है

लंगूर

- जंगल में ऊंचे पेड़ पर बैठा लंगूर अपने पास आती मुसीबत को देखकर एक खास आवाज निकाल कर अपने साथियों को संदेश देता है और उन्हें चौकन्ना करता है।

कुत्ता

➤ कुत्तो की गलियों में अपनी जगह बटी हुई होती एक कुत्ता दूसरे कुत्ते के मल मूत्र की गंध से जान लेता है कि उसके इलाके में बाहर का कुत्ता आया था

★ मगरमच्छ के छोटे छेद जैसे कान होते हैं लेकिन आसानी से दिखाई नहीं देते हैं

★ छिपकली के भी छोटे छेद जैसे कान होते हैं

★ मछलियां खतरों की चेतावनी एक दूसरे को बिजली तरंगों से देती है

★ डॉल्फिन भी अलग-अलग तरह की आवाज निकालती है और एक दूसरे से बात करती है

★ गिलहरी के दांत हमेशा बढ़ते रहते हैं दांतों से काटने और कुतरने के कारण इनके दांत घिस जाते हैं

★ बिल्ली के दांत नुकीले होते हैं जो मांस को और काटने के काम आते हैं

★ गाय के आगे के दांत पत्तों को काटने के लिए होते हैं। और पीछे के दांत चपटे और बड़े होते हैं जो घास चबाने के लिए होते हैं

सांप

➤ हमारे देश में केवल 4 तरह के ही जहरीले सांप होते हैं इनके नाम हैं- नाग, करैत, दुबोइया, तथा अफाई

➤ जब सांप किसी को काटता है तो उसके दो खोखले जहर वाले दांतों से उस व्यक्ति के शरीर में जहर चला जाता है

➤ इस जहर से बचने के लिए उस व्यक्ति को सिरम नाम की दवाई दी जाती है जो सांप के जहर से ही बनाई जाती है।

➤ सांप के दांत नुकीले होते हैं लेकिन वह अपने शिकार को चबाकर नहीं खाता बल्कि पूरा निगल जाता है

➤ सांप के बाहरी कान नहीं होते वह जमीन पर हुए कंपन ही सुन पाता है

➤ सपेरों को कालवेलिया भी कहते हैं कालवेलिया नाच में सांप जैसी मुद्राएं होती हैं

➤ साँप खेतों में फ़सलों को चूहों से बचाने में मदद करता है।

➤ साँप सुन नहीं पाते वे केवल बीन के हिलने से उसके अनुसार अपना सिर हिलाते हैं, जिसे लोग नाचना कहते हैं।

- कालबेलिया जाति के रोशननाथ जी अपनी जाति में बहुत मशहूर थे। वे बहुत आसानी से खतरनाक और जहरीले साँपों को पकड़ लेते थे।

केंचुए

- केंचुए जमीन में छेद बनाकर मिट्टी को मुलायम कर देते हैं जमीन को इन छेदों से हवा और पानी मिल जाता है
- केंचुए मृत पत्तियों और पौधों को खाते हैं और इनके मल से जमीन उपजाऊ बनती है।
- केंचुए को किसानों का मित्र माना जाता है
- वर्मी कंपोस्ट को वर्मी कल्चर या केंचुआ पालन भी कहा जाता है।

चीटियां

- चीटियां मिल जुल कर रहती हैं और चीटियों का काम बंटा रहता है रानी चींटी अंडे देती है सिपाही चीटियां बिल का ध्यान रखती हैं काम करने वाली चीटियां भोजन ढूंढ कर बिल तक लाती हैं।
- चीटियां चलते समय जमीन पर कुछ गंध छोड़ती हैं जिसे सूंघकर पीछे आने वाली चीटियों को रास्ता मिल जाता है
- पहरेदार चींटी एक विशेष प्रकार की गंध के कारण दूसरी चींटी को पहचान लेती है।
- चींटियाँ खाने की चीजों को अपने बिल में जमा करती हैं।
- सामाजिक कीट दीमक, ततैये, मधुमक्खियां चीटियां होते हैं।

मच्छर

- मच्छर हमारे शरीर की गंध खासकर पैरों के तलवे की, और हमारे शरीर की गर्मी से हमें ढूंढ लेते हैं
- मच्छर पानी में अंडे देते हैं
- डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, बीमारी मच्छरों के द्वारा फैलती है

➤ मक्खी से डायरिया, हैजा, टाइफाईड आदि बीमारियाँ फैलती हैं। मक्खियाँ अपने पैरों में बीमारी के कीटाणु लाती हैं और जब यह बिना ढके खाने पर बैठती हैं। तो उसे दूषित कर देती हैं उस खाने को खाकर हम बीमार पड़ जाते हैं।

मच्छरों से बचने के लिए उपाय -

- रुके हुए पानी में या इकट्ठा हुए पानी में मलेरिया के मच्छर पैदा होते हैं इसलिए मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए पानी में तेल डालना उचित रहता है इससे पानी का पृष्ठ तनाव कम हो जाता है और ऑक्सीजन की आपूर्ति रुक जाती है जिससे मच्छर का लार्वा मर जात है
- घरों में डी. डी. टी. का छिड़काव किया जाना चाहिए
- आस-पास पानी जमा न होने दें।
- पानी के बरतन, टंकी, कूलर को साफ रखें।
- मच्छरदानी का प्रयोग करें।
- जमा हुए पानी में मिट्टी का तेल छिड़कें।
- पानी में मछलियाँ डालने से मछलियाँ मच्छरों के अण्डे को खा जाती हैं।

रेशम का कीड़ा

- रेशम का कीड़ा अपनी मादा को इसकी गंध से कई किलोमीटर की दूरी से ही पहचान लेता है।

चूहा

- चूहों की देखने की क्षमता कम होती है लेकिन इनके सूंघने, छूने और टेस्ट करने की क्षमता अधिक होती है

पक्षी

➤ पक्षी केवल अंडे देने के लिए घोंसला बनाते हैं जब अंडों से बच्चे निकल जाते हैं तो वह घोंसला छोड़ कर उड़ जाते हैं। घोंसला छोड़कर पक्षी अलग-अलग जगह चले जाते हैं पेड़ों पर जमीन पर और पानी में।

➤ अधिकतर पक्षियों की आंखें उनके सिर के दोनों तरफ होती हैं

➤ पक्षी एक ही समय में दो अलग-अलग चीजों को एक साथ देख लेते हैं यानी उन पर नजर डाल लेते हैं जब अलग-अलग चीजों पर केंद्रित करते हैं तो उनका देखने का दायरा बढ़ता है और जब ये बिल्कुल सामने देखते हैं तो इनकी दोनों आंखें एक ही चीज पर होती हैं।

➤ ज्यादातर पक्षियों की आंखों की पुतली घूम नहीं सकती वह अपनी गर्दन घुमाकर ही आसपास देखते हैं

➤ पक्षियों के पंख उन्हें उड़ने में मदद करते हैं और उन्हें गरमाहट भी देते हैं उनके नए पंख आते रहते हैं और पुराने झड़ते रहते हैं

➤ कुछ पक्षी अलग-अलग खतरों के लिए अलग-अलग आवाजें निकालते हैं। जैसे उड़कर आने वाले दुश्मन के लिए एक तरह की आवाज़ और ज़मीन पर चलकर आने वाले के लिए दूसरी तरह की आवाज़।

➤ पक्षियों के कान दिखते नहीं हैं लेकिन इनके सिर के दोनों तरफ छोटे-छोटे छेद होते हैं जो पंखों से ढके रहते हैं पक्षी इन्हीं की मदद से सुनता है

बसंत गौरी

➤ बसंत गौरी यह गर्मियों में टुकटुक करती रहती हैं पेड़ के तने में गहरा छेद बनाकर उसमें अंडे रखती हैं

➤ कठफोड़वा (वुडपेकर) भी बसंत गौरी की तरह पेड़ के तने में घोंसला बनाता है।

शक्कर खोरा (सूर्य पक्षी)

Whatsapp for notes - 8532855503

instagram- theshadabalam / JOIN TELEGRAM - SA TEACHER ACADEMY

- शक्कर खोरा किसी छोटे पेड़ या झाड़ी की डाली पर अपना लटकता हुआ घोंसला बनाती है
- इसका घोंसला बाल, मकड़ी के जाले, पतली टहनियां, बारीक घास, सूखे पत्ते, रुई, पेड़ की छाल के टुकड़े और कपड़ों के चीथड़ों से बना होता है

दर्जिन चिड़िया

- दर्जिन चिड़िया अपनी नुकीली चोंच से पत्तों को सी लेती है और उनसे एक थैली - सी बना लेती है और उसमें अंडे देती है

चील, बाज और गिद्ध

- चील, बाज और गिद्ध हम से 4 गुना अधिक दूर तक देख पाते हैं
- चील की पूँछ खांचे वाली होती है
- गिद्ध मरे हुए जानवरो को खा कर जगह साफ़ कर देता है और आकाश में ऊंचाई पर उड़ता है।
- जमीन पर पड़ी हुई कोई चीज किसी चील को एक से दो किलोमीटर की दूरी से दिखाई दे जाती है।
- ★ कौए, गिलहरी, बिल्ली और चूहे, मौका देखते ही अंडे चुरा लेते हैं। कई बार घोंसले को भी तोड़ देते हैं।

नर वीवर पक्षी

- नर वीवर पक्षी अपने अपने घोंसले बनाते हैं मादा वीवर उन सभी घोंसलों को देखती है फिर उनमें से जो घोंसला सबसे ज्यादा पसंद आता है उसमें ही वह अंडे देती है

फाख्ता

फाख्ता कैक्टस, कांटो के बीच या मेहंदी की मेंढ़ में अपना घोंसला बनाती है

उल्लू

- उल्लू अपनी गर्दन पीछे तक घुमा सकता है

मैना

➤ झटके से अपनी गर्दन आगे पीछे करती है

★ पक्षियों की आँखों का आकार उनके सिर की तुलना बड़ा होता है। बड़ी आँखें साफ देखने में मदद करती हैं। उड़ते हुए टकराने से बचाती हैं, दूर से शिकार को पहचानने और पकड़ने में मदद करती हैं।

कलचिड़ी

➤ कलचिड़िया पथरो के बीच अपना घोंसला बनाती है इनके घोंसले में पौधों की नाजुक टहनी, जड़े, ऊन, बाल, रुई सब बिछा रहता है

➤ यह छोटे-छोटे कीड़े खाती है

➤ इनकी चोंच अंदर से लाल होती है।

कौवा

➤ कौवे के घोंसले में लोहे के तार और लकड़ी की टहनियां जैसी चीजें भी होती है कौवा पेड़ की ऊंची डाल पर घोंसला बनाता है

➤ कोयल अपना घोंसला नहीं बनाती है वह कौवे के घोंसले में अंडे देती है

➤ कौवा अपने अंडों के साथ-साथ कोयल के अंडों को भी सेता है

गौरैया

➤ गौरैया अलमारी के ऊपर, आईने के पीछे अपना घोंसला बनाती है

कबूतर

➤ कबूतर पुराने मकान या खंडहर में घोंसला बनाते हैं

पक्षियों की चोंच (bird's beak)

➤ बाज, चील और गिद्ध जैसे मांसाहारी पक्षियों की चोंच छोटी और हुक कि तरह मुड़ी होती हैं।

- तोते की घुमावदार चोंच होती है। जो फल कुतरने में मदद करती है।
- कबूतर, गौरैया, आदि में चोंच छोटी, चौड़ी और मजबूत होती है ऐसी चोंच अनाज के दानों को तोड़ने में सक्षम होती है।
- मिट्टी, कीचड़ से कीड़े या अन्य छोटे-छोटे जीवों को पकड़ने वाले पक्षियों की चोंच लंबी पतली नुकीली और मुड़ी होती है।
- मछली पकड़ने वाली चिड़ियों जैसे सारस, बगुला, आदि की चोंच लंबी, पतली सुई जैसी होती है।
- कुछ पक्षियों की चोंच में निस्पंदन प्रणाली होती है यानि छानने की प्रणाली होती है। इन पक्षियों के उदाहरण हैं हंस, फ्लेमिंगो, बत्तख, आदि। ऐसे पक्षी पानी के आस-पास रहते हैं तथा अपना भोजन चोंच में लेने के बाद अन्य पदार्थ जैसे कीचड़ आदि को अलग कर लेते हैं यानी उसे छान लेते हैं।

पक्षियों के पंजे

- पानी में तैरने वाले पक्षियों के पंजे झिल्लीदार होते हैं। ये झिल्लीदार पैर तैरने में उनकी मदद करती है। जैसे बत्तख, राजहंस, पेलिकन पक्षी के पैर।
- जिन पंजों में आगे की तरफ फैली तीन अंगुलियाँ और पीछे एक अंगुली होती है, ऐसे पंजे टहनियों पर बैठने में मदद करते हैं। जैसे गौरैया के।
- आगे की ओर फैला पंजा, नरम सतह पर चलने में मदद करता है। जैसे- हयूरोन का।
- जिन पक्षियों की टांगें और पैरों की उंगलियाँ लम्बी होती हैं वे पक्षी पानी के किनारे वाली सतह पर आसानी से चल फिर लेते हैं और पानी में जाकर मछलियों का शिकार आसानी से कर लेते हैं। जैसे क्रेन, सारस, बगुला आदि
- ऐसा मजबूत पंजा जो थोड़ा मुड़ा हुआ और तेज नाखूनों वाला होता है, शिकार को पकड़ने में मदद करता है। जैसे- चील, गिद्ध और उल्लू के पैर

निपेन्थिस

- निपेन्थिस नामक पौधा इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, और भारत के मेघालय में पाया जाता है

- यह पौधा कीड़े-मकोड़े और छोटे जीवों का शिकार करता है
- यह पौधा लंबे घड़े जैसा दिखता है जिसके ऊपर पत्ती का ढक्कन लगा होता है और इसमें से खुशबू निकलती हैं। जिसकी वजह से कीड़े मकोड़े उसके अंदर फंस जाते हैं
- नीपेंथिस पौधे को घटपर्णी पौधा भी कहा जाता है
- अन्य कीटभक्षी पौधे हैं ड्रोसैरा या सनड्यूज़. डायोनिया, सेरोसेनिया, यूटीकुलेरिया आदि।

क्रोटोन पौधे

- क्रोटोन पौधे जमीन के बारे में उसकी दशा को बता देते हैं यानी सिग्नल दे देते हैं क्रोटोन पौधे की जड़ जमीन में ज्यादा गहरी नहीं जाती है जब मिट्टी सूखने लगती है तो इस पौधे की पत्तियां सूखने लगती हैं और झड़ने लगती हैं जिससे मिट्टी का पता चल जाता है कि मिट्टी सूख रही है। तो यह एक प्रकार का सिग्नल होता है।

रेगिस्तानी ओक

- ऑस्ट्रेलिया में रेगिस्तानी ओक पेड़ पाया जाता है जिसकी ऊंचाई 11 से 12 फीट होती है और इसकी पत्तियां बहुत कम होती हैं
- इसकी जड़ें जमीन के अंदर 250 से 300 फीट तक जाती हैं जब तक पानी तक ना पहुंच जाए यह पानी पेड़ के तने में जमा होता रहता है।
- जब कभी इस इलाके में पानी नहीं होता या पानी की कमी पड़ जाती है तो वहां के लोग इसके तने के अंदर पतला पाइप डालकर पानी निकाल लेते हैं।

बरगद

- बरगद के पेड़ की लटकन उसकी जड़ें होती हैं ये टहनियों से निकलती हैं और बढ़ते बढ़ते जमीन के अंदर चली जाती हैं यह जड़ें मजबूत खम्बों की तरह पेड़ को सहारा देती हैं।

सब्जियां

अधिकतर सब्जियां पौधो के फूल होती है और कुछ सब्जियां पौधो का फल भी होती है लोहा (Iron) गुड, आंवला और हरे पत्तेदार सब्जियों में मिलता है।

विदेश से आने वाली सब्जियां

- हरी मिर्च टमाटर आलू आया - साउथ अमेरिका से
- गोभी और मटर - यूरोप से आई
- कॉफी बींस और भिंडी - अफ्रीका से आई
- सोयाबीन - चीन से आई

पौधे का भाग जिसे हम खाते है।

जड़	मूली, गाजर, चुकन्दर, टेपियोका, शकरकंदी
तना	आलू, प्याज, अदरक
पत्ती	धनिया, पत्ता गोभी, अरबी, पालक, कड़ी पत्ता
बीज	चना, बाजरा, सरसों, गेहूं, धान
फूल	सहजन, केला, कचनार
फली	मटर

झूम खेती

- झूम खेती का तरीका बिलकुल अलग है। एक फ़सल काटने के बाद ज़मीन को कुछ साल तक ऐसे ही छोड़ देते हैं, उसमें खेती नहीं करते। इस जगह जो बांस या जंगल उग जाता है उसे उखाड़ते नहीं। बस गिराकर जला देते हैं। यह राख ज़मीन में खाद का काम करती है।
- जमीन को जलाते हुए आस-पास के पेड़ न जलें, जंगलों को नुकसान न पहुँचे, इसका भी ध्यान रखना पड़ता है। फिर जब इस ज़मीन में खेती की बारी आती है तो जमीन को जोता नहीं जाता। मिट्टी को हल्के से हिलाकर बीज छिड़क देते हैं।
- एक ही खेत में अलग-अलग तरह के बीज - जैसे मकई, सब्जियाँ मिर्च और चावल बोए जाते हैं।
- फ़सल के समय भी अनचाही घास और पौधों को उखाड़ नहीं हैं, उन्हें गिरा देते हैं। ताकि वे ज़मीन की मिट्टी में मिल जाएँ। इससे भी ज़मीन उपजाऊ बनती है।

➤ स्थानांतरित खेती या झूम खेती उत्तर-पूर्वी पर्वतीय तथा आदिवासी क्षेत्रों में की जाती है इसे जनजातीय कृषि भी कहा जाता है

बीज

➤ बीजों को प्राचीन समय में सूखी लौकी में रखकर उस पर मिट्टी का लेप कर देते थे और नीम की पत्तियां इन्हें कीड़ों से बचाती थी

➤ पौधे स्वयं भी अपने बीजों को दूर फेंक देते हैं और कपड़ों में चिपक कर तथा पानी के जरिए भी ये एक जगह से दूसरी जगह पहुंच जाते हैं

➤ सोयाबीन की फलियां पककर फट जाती हैं और उसमें से बाहर निकल जाते हैं

➤ कालीमिर्च, सौंफ, गेहूं आदि बीज होते हैं

➤ नाशपाती, भिंडी, करेला, खीरा, टमाटर, चीकू आदि में बीज होता है

➤ मिट्टी में गोबर मिलाने से मिट्टी में कीड़ा नहीं लगता

➤ कपड़े में बंधा हुआ बीज पानी में भिगोए गए बीज की तुलना में जल्दी से अंकुरित हो जाता है क्योंकि कपड़े में बीज सांस लेने में सक्षम है। 78350

➤ 'यदि बीज को कपड़े में बांध दिया जाए, और उनमें से अंकुरित हो जाए और आधे नहीं तो इसका कारण होता है,

1. बीज क्षतिग्रस्त थे। 2. बीज बीच में से टूट गए थे। 3. में कीड़े लग चुके थे।

बीन पार्टी के बाजे

➤ बीन, तुम्बा, खंजरी और ढोल । ढोल के अलावा बाकी तीनों बाजे सूखी लौकी से बनाए जाते हैं।

ब्रेल लिपि

➤ लुइस ब्रेल फ्रांस के थे, 3 साल की उम्र में अपने पिता के औजारों से खेलते हुए इनकी आंखों की रोशनी चली गई थी पढ़ाई में बहुत रुचि थी तो यह पढ़ने और लिखने के विभिन्न तरीके सोचने लगे और फिर एक तरीका निकाला जो बाद में लुइस स्क्रिप्ट के नाम से जाना गया

➤ एक मोटे कागज पर एक नुकीली चीज से 6 बिंदुओं को उभारा जाता है फिर उभरे हुए बिंदुओं पर उंगलियों के सहारे इन्हें स्पर्श करते हुए पढ़ा जाता है यह ब्रेल लिपि कहलाती है

- यह स्क्रिप्ट 6 बिंदुओं पर आधारित होती है

आबूधाबी

- यह देश रेगिस्तानी इलाके में है यहां की स्थानीय भाषा अरबी है
- यहां पानी बहुत 'कीमती' है क्योंकि यहां ना तो वर्षा होती है और ना ही नदिया, झील तथा तालाब है
- यहाँ रेतीली जमीन के नीचे तेल होता है यहां खजूर के पेड़ अधिक मात्रा में दिखाई देते हैं क्योंकि ये पेड़ रेगिस्तानी इलाके में पाए जाते हैं
- आबूधाबी की करेंसी दिरहम है
- आबुधाबी में रेत के पहाड़ या टीले पाए जाते हैं
- अबू धाबी का टाइम जोन GMT (Greenwich Mean Time Zone) से 4 घंटे आगे है। और IST (Indian Standard Time) GMT से 5:30 घंटे आगे हैं।
- इसलिए अबू धाबी से भारतीय समय 1 घंटा 30 मिनट आगे है। अगर अबू धाबी में रात के 9 बजे होंगे तो भारत में रात के 10.30 बजे होंगे।

लद्दाख

- लद्दाख पहुंचने के लिए जम्मू कश्मीर पार करना पड़ता है लद्दाख को ठंडा रेगिस्तान (कोल्ड डेजर्ट) भी कहते हैं यहां 1 या 2 फ्लोर की बिल्डिंग होती है घर पत्थर के होते हैं जिनकी छत और फर्श लकड़ी की होती है दीवार मिट्टी की और उस पर चुने की मोटी परत चढ़ी होती है।
- यहां कम बारिश होती है
- यहां पेड़ पौधे नहीं पाए जाते
- लकड़ियों की सीढ़ी का प्रयोग होता है।
- मोटे पेड़ का तना छत को मजबूत बनाने में मदद करता है

- ग्राउंड फ्लोर में जानवरों को रखा जाता है। जब ज्यादा सर्दी पड़ती है तो खुद भी ग्राउंड फ्लोर में रहने आ जाते हैं ग्राउंड फ्लोर में विंडो नहीं होती है
- गर्मी के मौसम में यह लोग फल सुखा लेते हैं और सर्दियों में इनका इस्तेमाल करते हैं
- लद्दाख क्षेत्र भारत का सबसे ठंडा रेगिस्तान है
- भारत में ठंडे रेगिस्तान मानसून से प्रभावित नहीं होते क्योंकि वे अधिक ऊंचाई पर होते हैं और हिमालय की वृष्टि - छाया में पड़ते हैं
- लाल मिर्च, नारंगी कद्दू और सुनहरे पीले भुट्टे यहाँ मिलते हैं
- श्रीनगर से लद्दाख जाते हुए कारगिल रस्ते में पड़ता है यहां संकरे रास्ते होते हैं
- पहाड़ी इलाकों में नायलॉन का टेंट इस्तेमाल किया जाता है
- लद्दाख में जुले-जुले का मतलब वेलकम होता है
- ट्रॉली (लकड़ी से बना झूला) का इस्तेमाल लद्दाख में नदी को पार करने के लिए किया जाता है
- स्किटपोपुल लद्दाख का एक गांव है